K–51

1158

EHD–2

Total No. of Questions : **10**] [Total No. of Printed Pages : **3**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

EHD–2 : हिन्दी काव्य

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट :– प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 12x3=36

(क) तन की दुति स्याम सरोरुह लोचन कंज की मंजुलताई हरैं।
अति सुन्दर सोहत धूरि भरे, छवि भूरि अनंग की दूरि करैं।
दमकैं दतियाँ दुति-दामिनि ज्यौं, किलकैं कित बाल विनोद करैं।
अवधेस के बालक चारि सदा, तुलसी मन मंदिर में बिहरैं॥

(ख) तब लै छबि पीवत जीवत ह्वै, अब सोचन लोचन जात जरे।
हित-पोष के तोष सु प्रान पले, बिललात महादुख दोष भरे।
घन आनंद मीत सुजान बिना सब ही सुखसाज समाज टरे।
तब हार पहार से लागत ह्वै अब आनि के बीच पहार परे।

(ग) स्वपन सुसज्जित करके क्षण में,
प्रियतम को, प्राणों के पण में,
हमी-भेज देती हैं रण में–
क्षात्र धर्म के नाते।
सखि, वे मुझसे कह कर जाते।

हुआ न यह भी भाग्य अभागा,
किस पर विफल गर्व अब जागा?
जिसने अपनाया था, त्यागा,
रहे स्मरण ही आते।
सखि, वे मुझसे कह कर जाते।

(घ) धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने
मैके में आई बेटी की तरह मगन है
फूली सरसों की छाती से लिपट गई है
जैसे हमजोली सखियाँ गले मिली हैं
भैया की बाँहों से छूटी भौजाई-सी
लँहगे की लहराती लचती हवा चली है
सारंगी बजती खेतों की गोदी में
दल के दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के
अनावरण यह प्राकृत छवि की अमर भारती
रंग-बिरंगी पँखुड़ियों की खोल चेतना
सौरभ से महँ-महँ महकाती है दिगंत को।

(ङ) लीक पर वे चलें जिनके
चरण दुर्बल और हारे हैं,
हमें तो हमारी यात्रा से बने
ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं
साक्षी हों राह रोके खड़े
पीले बाँस के झुरमुट
कि उनमें गा रही है जो हवा
उसी से लिपटे हुए सपने हमारे हैं।

शेष जो भी हैं–
वक्ष खोले डोलती अमराइयाँ
गर्व से आकाश थामे खड़े
ताड़ के ये पेड़,
हिलती क्षितिज की झालरें,
झूमती हर डाल पर बैठी
फलों से मारती
खिलखिलाती शोख अल्हड़ हवा।

2. साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का परिचय देते हुए अपभ्रंश और हिन्दी काव्य के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए। 16
3. कबीर की भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनकी कविता की विशेषताएँ बताइए। 16
4. सूरदास की कविता में वात्सल्य और शृंगार भावनाओं की अभिव्यक्ति पर एक निबन्ध लिखिए। 16
5. भारतेन्दु की कविता में प्राचीन और नवीन काव्य संवेदना का मिलन किस प्रकार हुआ है ? विवेचन कीजिए। 16
6. रामनरेश त्रिपाठी के काव्य-सौन्दर्य की समीक्षा कीजिए। 16
7. ''निराला की कविता में सामाजिक-सांस्कृतिक नवजागरण की अभिव्यक्ति हुई है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16
8. समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए। 16
9. 'कुरुक्षेत्र' की प्रबन्ध-कल्पना पर प्रकाश डालिए। 16
10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 8×2=16
    (i) मीराबाई
    (ii) रीतिकाव्य
    (iii) प्रयोगवाद
    (iv) मुक्तिबोध।